उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगतिशील किसानों के बीच **मक्का की खेती** की ओर बढ़ती प्रवृत्ति को रेखांकित किया है, जिसका प्रमुख कारण इस फसल के **आर्थिक लाभ**, **कम जल आवश्यकता** तथा **उच्च पोषणीय मूल्य** को माना गया है।

मुख्य बिंदु

- **मक्का के बारे में मुख्य तथ्य:**
  - मक्का को **पानी की कम आवश्यकता होती है** और यह महत्त्वपूर्ण **पोषणीय लाभ** प्रदान करता है, जिससे यह अनेक किसानों के लिये एक स्थायी विकल्प बन गया है।
  - मक्का की बुवाई के लिये आदर्श समय 15 जून से 15 जुलाई तक है। यदि सिंचाई उपलब्ध है, तो **मई के अंत में बुवाई शुरू की जा सकती है** , जिससे भारी बारिश शुरू होने से पहले जल्दी विकास हो सके।
  - **आधुनिक कृषि तकनीकों** को अपनाने से मक्का की **उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर** तक पहुँच सकती है।
  - **वर्तमान में तमिलनाडु** 59.39 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ अग्रणी है, जबकि **उत्तर प्रदेश में यह औसत** 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जो वृद्धि की पर्याप्त संभावनाओं को दर्शाता है।
    - परंपरागत रूप से **मेंथा उत्पादन** के लिये प्रसिद्ध **बाराबंकी ज़िले** में अब **मक्का की खेती की ओर तीव्र रूप से झुकाव** देखा जा रहा है।
  - मक्का को इसके प्रचुर पोषक तत्त्वों, जैसे **कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन** और खनिज के कारण **"अनाज की रानी" माना जाता है।**
    - मक्का को **स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न,** **जैव ईंधन (biofuels)** तथा **बायोप्लास्टिक** उत्पादन सहित **अनेक उपयोगों** के लिये उपयुक्त माना जाता है।
- **सरकारी समर्थन**:
  - राज्य सरकार ने किसानों के लिये **त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम** शुरू किया है तथा **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की भी घोषणा की है।
  - **वर्ष 2024-25 के लिये मक्का का MSP 2,225 रुपए प्रति क्विंटल** निर्धारित किया गया है।
  - **मक्का की खरीद 15 जून से 31 जुलाई** तक **विभिन्न ज़िलों** में की जाएगी।
  - राज्य सरकार ने **वर्ष 2027 तक मक्का उत्पादन को दुगुना करने** का **लक्ष्य** निर्धारित किया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-government-highlights-growing-shift-towards-maize-cultivation